Antarvasna
अन्तर्वासना

बदलते रिश्ते-1

“उसे बड़ी बेसब्री से इन्तजार था अपने पति के आने का, वह धीरे से घूँघट उठाएगा और कहेगा- वाह ! कितनी ख़ूबसूरत हो तुम !और फिर उसे आलिंगन-बद्ध करके उसके होंठ चूमेगा ...”

Story By: rani madhubala (ranimadhubala)
Posted: शनिवार, जुलाई 12th, 2014
Categories: पहली बार चुदाई
Online version: बदलते रिश्ते-1

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

बदलते रिश्ते-1

अनीता नई-नवेली दुल्हन के रूप में सजी-सजाई सुहागरात मनाने की तैयारी में अपने पलंग पर बैठी थी, थोड़ा सा घूँघट निकाल रखा था जिसे दो उंगलियों से उठाकर बार-बार कमरे के दरवाजे की ओर देख लेती।

उसे बड़ी बेसब्री से इन्तजार था अपने पति के आने का, सोच में डूबी थी कि वह आकर धीरे से उसका घूँघट उठाएगा और कहेगा- वाह ! कितनी ख़ूबसूरत हो तुम ! और फिर उसे आलिंगन-बद्ध करके उसके होंठ चूमेगा, फिर गाल, फिर गला और फिर धीरे-धीरे थोड़ा सा नीचे ... और नीचे... फिर और नीचे... फिसलता हुआ नाभि तक उतरेगा... और फिर उसके बाद क्या होगा इसकी कल्पना में डूबी रहते उसे काफी देर हो चली।

रात के ग्यारह बज गए, उसकी निगाहें दरवाजे पर ही टिकीं थीं, लगभग आधे घंटे के बाद किसी ने दरवाजे की कुण्डी खटखटाई और उसके पतिदेव ने अपनी मुँह-बोली भाभी के साथ कक्ष में प्रवेश किया।
पति अनमोल आकर दुल्हन के पलंग पर बैठ गया।

भाभी बोली- देख बहू, कहने को तो मैं तेरे पति की मुँह-बोली भाभी हूँ पर समझती हूँ बिल्कुल अपने सगे देवर जैसा ही।
वह धीरे से उसके कान में फुसफुसाई- देवर जी, जरा शर्मीले मिजाज़ के हैं। आज की रात पहल तुझे ही करनी पड़ेगी। बाद में सब ठीक हो जायेगा।

उसके जाने के बाद अनीता ने उठकर कुण्डी लगा ली। अनमोल चुपचाप यों ही बुत बना बैठा रहा। अनीता उसके पास खिसकी कि वह मुँह फेर कर सो गया।
अनीता काफी देर तक सोचती रही कि अब उठेगा और उसे अपनी बाँहों में लेकर उसके

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

चुम्बन लेगा... फिर उससे कहेगा- चलो, सोते हैं। सारे दिन की थकी-हारी होगी। और फिर अपने साथ लेटने को कहेगा। वह थोड़े-बहुत नखरे दिखा कर उसके साथ सुहागरात मनाने को राज़ी हो जाएगी।

अनीता को सोचते-सोचते न जाने कब नींद आ गई। जब घड़ी ने दो बजाये तो उसकी दोबारा आँख खुल गईं। उसने उसी प्रकार लेटे-लेटे धीरे से अपनी एक टांग पति के ऊपर रख दी। पति हल्का सा कुनमुनाकर फिर से सो गया।

रात बीतती जा रही थी, अनीता प्रथम रात्रि के खूबसूरत मिलन की आस लिए छटपटा रही थी।
अनीता के सब्र का बाँध टूटने लगा, मन में तरह-तरह की शंकाएँ उठने लगीं- कहीं उसका पति नपुंसक तो नहीं, वर्ना अब तक तो उसकी जगह कोई भी होता तो उसके शरीर के चिथड़े उड़ा देता।
उसके मन में आया कि क्यों न पति के पुरुषत्व की जाँच कर ली जाये। उसने धीरे से सोता-नीदी का अभिनय करते हुए अपना एक हाथ अनमोल की जाँघों के बीचोंबीच रख दिया। उसे कोई कड़ी सी चीज उभरती सी प्रतीत हुई।

अनीता ने अंदाज़ कर लिया कि कम से कम वह नपुंसक तो नहीं है। आखिर फिर क्यों वह अब तक चुपचाप पड़ा है।
उसे भाभी की बात याद आ गई 'बहू, हमारे देवर जी जरा शर्मीले मिजाज़ के हैं। आज की रात पहल तुझे ही करनी पड़ेगी।'
चलो, मैं ही कुछ करती हूँ, वह पति से बोली- क्यों जी, ऐसा नहीं हो सकता कि मैं तुमसे चिपट कर सो जाऊँ, नया घर है, नई जगह, मुझे तो डर सा लग रहा है।

"ठीक है, सो जाओ। मगर मेरे ऊपर अपनी टांगें मत रखना !"
"क्यों जी, आपकी पत्नी हूँ, कोई गैर तो नहीं हूँ।"

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अनमोल कुछ न बोला, पत्नी उससे चिपट गई, दोनों की साँसें टकराने लगीं, अनीता पर मस्ती सी छाने लगी, उसने धीरे से अपनी एक टांग उठाकर चित्त लेटे हुए पति पर रख दी।

इस बीच उसने फिर कोई सख्त सी चीज अपनी जांघ पर चुभती महसूस की। वह बोली- ऐसा करते हैं, मैं करवट लेकर सो जाती हूँ। तुम मेरे ऊपर अपनी टांग रखो, मुझे अच्छा लगेगा।
ऐसा कहकर अनीता ने पति की ओर अपनी पीठ कर दी, अनमोल कुछ बोला नहीं पर उसने पत्नी के कूल्हे पर अपनी एक टांग रख दी। अनीता को इसमें बड़ा ही अच्छा लग रहा था क्योंकि अब वह पति की जाँघों के बीच वाली चीज अपने नितम्बों के बीचो-बीच गड़ती हुई सी महसूस कर रही थी। इसी को पाने के लिए ही तो बेचारी घंटों से परेशान थी।

आज उसका पति जरूर उसके मन की बात समझ कर रहेगा। अगर नहीं भी समझा तो समझा कर रहूंगी।
अनीता से अब अपने यौवन का बोझ कतई नहीं झिल पा रहा था, वह चाह रही थी कि उसका पति उसके तन-बदन को किसी रसदार नींबू की तरह निचोड़ डाले, खुद भी अपनी प्यास बुझा ले और अपनी तड़पती हुई पत्नी के जिस्म की आग भी ठंडी कर दे।

अत : उसने पति का हाथ पकड़ कर अपने सीने की गोलाइयों से छुआते हुए कहा- देखो जी, मेरा दिल कितनी तेजी से धड़क रहा है। अनमोल ने पत्नी की छातियों के भीतर तेजी से धड़कते हुए दिल को महसूस किया और बोला- ठहरो, मैं अभी पापा को उठाता हूँ। उनके पास बहुत सारी दवाइयाँ रहती हैं, तुम्हें कोई-न कोई ऐसी गोली दे देंगे कि तुम्हारी यह धड़कन कम हो जाएगी।
अनीता घबरा उठी, बोली- अरे नहीं, जब पति-पत्नी पहली रात को साथ-साथ सोते हैं तो ऐसा ही होता है।

“तो फिर मेरा दिल क्यों नहीं धड़क रहा ? देखो, मेरे दिल पर हाथ रख कर देखो।”

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अनीता बोली- तुम लड़की थोड़े ही हो, तुम तो लड़के हो। तुम्हारी भी कोई चीज फड़क रही है, मुझे पता है।
अनीता मुस्कुराते हुए बोली।

अनमोल बोला- पता है तो बताओ, मुझे क्या हो रहा है ?
अनीता ने फिर पूछा- बताऊँ, बुरा तो नहीं मानोगे ?
“नहीं मानूंगा, चलो बताओ ?”

अनीता ने पति की जाँघों के बीच के बेलनाकार अंग को अपनी मुट्ठी में पकड़ कर कहा- फिर यह क्या चीज है जो बराबर मेरी पीठ में गड़ रही है ? कहीं किसी का बिना बात में तनता है क्या ?
अनमोल सच-मुच झेंप सा गया और बोला- मेरा तो कुछ भी नहीं है, पड़ोस-वाले भैया का तो इतना लम्बा और मोटा है कि देख लोगी तो डर जाओगी।
अनीता ने पूछा- तुम्हें कैसे पता कि उनका बहुत मोटा और लम्बा है ? तुमने क्या देखा है उनका ?

अनमोल थोड़ा रुका, फिर बोला- हाँ, मैंने देखा है उनका। एक बार मैं अपनी खिड़की से बाहर की ओर झांक रहा था कि अचानक मेरी निगाह उनके कमरे की ओर उठ गई। मैंने देखा कि भइया भाभी को बिल्कुल नंगी करके... !!!

“क्या कर रहे थे भाभी को बिल्कुल नंगी करके ?” अनीता को इन बातों में बड़ा आनन्द आ रहा था, बोली- बताओ न, तुम्हें मेरी कसम है।

अनमोल ने अनीता के मुँह पर हाथ रख दिया और नाराज होता हुआ बोला- आज के बाद मुझे कभी अपनी कसम मत देना !
“क्यों ?” अनीता ने पूछा।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अनमोल बोला- एक बार मुझे मेरी माँ ने अपनी कसम दी थी, वो मुझसे हमेशा के लिए दूर चली गईं।
“इसका मतलब है तुम नहीं चाहते कि मैं तुमसे दूर चली जाऊँ ?”
अनमोल खामोश रहा।

अनीता ने कहा- अगर तुम मेरी बात मानोगे तो मैं तुम्हें कभी अपनी कसम नहीं दूँगी, बोलो मानोगे मेरी बात ?
अनमोल ने धीमे स्वर में हामी भर दी।
अनीता बोली- फिर बताओ न, क्या किया भैया ने भाभी के साथ उन्हें नंगी करके ?
अनमोल बोला- पहले भैया ने भाभी को बिल्कुल नंगी कर डाला और फिर खुद भी नंगे हो गए। फिर उन्होंने एक तेल की शीशी उठाकर भाभी की जाँघों के बीच में तेल लगाया, तब उन्होंने अपने उस पर भी मसला।”किस पर मसला ?” अनीता बातों को कुरेद कर पूरा-पूरा मज़ा ले रही थी साथ ही पति के मोटे बेलनाकार अंग पर भी हाथ फेरती जा रही थी।

“बताओ, किस पर मसला ?”
“अरे, अपने बेलन पर मसला और किस पर मसलते !”
“फिर आगे क्या हुआ ?”

“होता क्या.. उन्होंने अपना बेलन भाभी की जाँघों के बीच में घुसेड़ दिया… और फिर वो काफी देर तक अपने बेलन को आगे-पीछे करते रहे… भाभी मुँह से बड़ी डरावनी आवाजें निकाल रहीं थीं। ऐसा लग रहा था कि भाभी को काफी दर्द हो रहा था मगर… फिर वह भैया को हटाने की बजाय उनसे चिपट क्यों रहीं थीं, यह बात मेरी समझ में आज तक नहीं आई।”

यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !
अनीता बोली- मेरे भोले पतिदेव, यह बात तुम तब समझोगे जब तुम किसी के अन्दर

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अपना यह बेलन डालोगे।
अनमोल ने पूछा- किसके अन्दर डालूँ ?
अनीता बोली- मैं तुम्हारी बीवी हूँ मेरी जाँघों के बीच में डाल कर देखो, मुझे मजा आता है या मुझको दर्द होता है ?
“ना बाबा ना, मुझे नहीं डालना तुम्हारी जाँघों के बीच में अपना बेलन। तुम्हें दर्द होगा तो तुम रोओगी।”

अनीता बोली- अगर मैं वादा करूँ कि नहीं रोऊँगी तो करोगे अपना बेलन मेरे अन्दर ?
“मुझे शर्म आती है।”
अनीता ने पति की जाँघों के बीच फनफनाते हुए उसके बेलन को पकड़ लिया और उसे धीरे-धीरे सहलाने लगी।
अनमोल का बेलन और भी सख्त होने लगा।

अनीता बोली- अच्छा, मेरी एक बात मानो। आज की रात हम पति-पत्नी की सुहाग की रात है। अगर आज की रात पति अपनी पत्नी की बात नहीं मानेगा तो पत्नी मर भी सकती है। बोलो, क्या चाहते हो मेरी जिन्दगी या मेरी मौत ?
“मैं तुम्हारी जिन्दगी चाहता हूँ।”

“तो दे दो फिर मुझे जिन्दगी।” अनीता बोली- आ जाओ मेरे ऊपर और मसल कर रख दो मुझ अनछुई कच्ची कली को।
अनमोल डर गया और शरमाते हुए पत्नी के ऊपर आने लगा।
अनीता बोली- रुको, ऐसे नहीं, पहले अपने सारे कपड़े उतारो।

अनमोल ने वैसा ही किया। जब वह नंगा होकर पत्नी के ऊपर आया तो उसने पाया कि उसकी पत्नी अनीता पहले से ही अपने सारे कपड़े उतारे नंगी पड़ी थी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अनीता ने अनमोल से कहा- अब शुरू करो ना !
अनीता ने अपनी छातियों को खूब सहलवाया और उसका हाथ अपनी जाँघों के बीच में ले जा कर अपनी सुलगती सुरंग को भी सहलवाया।
अनमोल बेचारा... एक छोटे आज्ञाकारी बच्चे की भांति पत्नी के कहे अनुसार वो सब-कुछ किये जा रहा था जैसा वह आदेश दे रही थी। अब बारी आई कुछ ख़ास काम करने की।

अनीता ने पति का लिंग पकड़ कर सहलाना शुरू कर दिया और उस पर तेल लगा कर मालिश करने लगी।
अगले ही क्षण उसने पति के तेल में डूबे हथियार को अपनी सुलगती हुई भट्टी में रख लिया और पति से जोर से धक्के मारने को कहा। तेल का चुपड़ा लिंग घचाक से आधे से ज्यादा अन्दर घुस गया।

"उई माँ... मर गई मैं तो..." अनीता तड़प उठी और सुबकते हुए पति से बोली- आखिर फाड़ ही डाली ना तुम्हारे इस लोहे के डंडे ने मेरी सुरंग।
अगले ही पल बाकी का आधा लिंग भी योनि मैं जा समाया। उसकी योनि बुरी तरह से आहत हो चुकी थी, योनि-द्वार से खून का एक फव्वारा सा फूट पड़ा...

पर इस दर्द से कहीं ज्यादा उसे आनन्द की अनुभूति हो रही थी... वह पति को तेज और तेज रफ़्तार बढ़ाने का निर्देश देने से बाज़ नहीं आ रही थी।आह !आज तो मज़ा आ गया सुहागरात का।

पति ने पूछा- अगर दर्द हो रहा है तो निकाल लूँ अपना डंडा बाहर ?
"नहीं, बाहर मत निकालो अभी... बस घुसेड़ते रहो अपना डंडा मेरी गुफा में अन्दर-बाहर...जोर जोर से.. आह... और जोर से... आज दे दो अपनी मर्दानगी का सबूत मुझे... आह अनमोल... अगर तुम पूरे दिल से मुझे प्यार करते हो तो आज मेरी इस सुलगती भट्टी को फोड़ डालो...

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अनमोल को भी अब काफी आनन्द आ रहा था, वह बढ़-चढ़ कर पूरा मर्द होने का परिचय दे रहा था।
लगभग आधे घंटे की लिंग-योनि की इस लड़ाई में पति-पत्नी दोनों ही मस्ती में भर उठे।

कुछ देर के लगातार घर्षण ने अनीता को पूरी तरह तृप्त कर दिया, बाकी की रात दोनों एक-दूजे से यों ही नंगे लिपटे सोते रहे।
सुबह आठ बजे तक दोनों सोते रहे।
कहानी जारी रहेगी।
ranimadhubala07@gmail.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

बुआ की सेक्सी किरायेदार की चूत मिल गई चोदने को

हैलो फ्रेंड्स, मेरा नाम अमित है, मेरी यह कहानी पिछले साल की है.. जब मैं पढ़ने के लिए अपनी दूर की बुआ के घर रहने गया था। बुआ का घर बहुत बड़ा था और उनके घर पर कई कमरे किराए […]
Full Story >>>

टैक्सी ड्राइवर से चूत चुदवा कर हिसाब चुकता किया

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम शिखा धामी है। मैं यू पी की रहने वाली हूँ। आज मैं आप लोगों के सामने अपनी चूत चुदाई की सच्ची सेक्स कहानी हिंदी में लेकर आई हूँ। उससे पहले मैं आप लोगों को बता दूँ […]
Full Story >>>

मेरा पहला सेक्स गर्लफ्रेंड की कुंवारी चूत चुदाई

सभी अन्तर्वासना पर हिंदी सेक्स स्टोरीज पढ़ने वाले पाठकों को आदर सहित प्रणाम! मेरा नाम विक्की है, मैं नई दिल्ली के पूर्वी भाग में रहता हूँ। मैं दिखने में काफी क्यूट लगता हूँ। मेरी हाइट 5 फुट 7 इंच है.. […]
Full Story >>>

लव स्टोरी से सेक्स स्टोरी तक का सफ़र-2

अब तक आपने पढ़ा.. दिल्ली यूनिवर्सिटी की सोनिया जो 'बन्द चूत' के नाम से जानी जाती थी, अब चुदने के लिए मचल उठी थी। अब आगे.. इंडियन कॉलेज गर्ल की गीली कुंवारी चूत गोरी-गोरी जांघें.. गुलाबी पेंटी के अन्दर गीली […]
Full Story >>>

जंगल में गर्लफ्रेंड की हंसी को चीखों में बदला

दोस्तो, आज मैं आपको अपनी एक सच्ची सेक्स कहानी हिंदी में बताने जा रहा हूँ.. कि कैसे मैंने अपनी गर्लफ्रेंड को पहली बार चोदा था। मेरा नाम मनीष है, मेरा लंड लंबा और मोटा है। मेरी गर्लफ्रेंड का नाम अंकिता […]
Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Meri Sex Story

मैं हूँ मस्त कामिनी... मस्त मस्त कामिनी... मेरी सेक्स स्टोरी डॉट कॉम अत्यधिक तीव्र गति से लोकप्रिय होती जा रही है, मेरी सेक्स स्टोरी साईट उत्तेजक तथा रोमांचक कहानियों का खजाना है...

Kinara Lane

A sex comic made especially for mobile from makers of Savita Bhabhi!

Bangla Choti Kahini

বাংলা ভাষায় নুতন বাংলা চটি গল্প, বাংলা ফন্টে বাংলাদেশী সেক্স স্টোরি, বাংলা পানু গল্প ও বাংলা চোদাচুদির গল্প সংগ্রহ নিয়ে হাজির বাংলা চটি কাহিনী

Tamil Scandals

சிறந்த தமிழ் ஆபாச இணையதளம்

Desi Tales

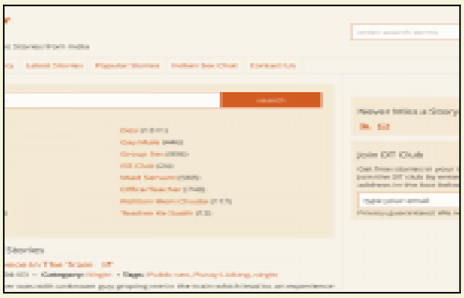

Indian Sex Stories, Erotic Stories from India.

Tamil Kamaveri

சூடு ஏத்தும் தமிழ் செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் லெஸ்பியன் கதைகள் , தமிழ் குடும்ப செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் ஆண் ஓரின சேர்க்கை கதைகள் , தமிழ் கள்ள காதல் செக்ஸ் கதைகள் , படிக்க எங்கள் தமிழ்காமவெறி தளத்தை விசிட் செய்யவும் . மேலும் நீங்கள் உங்கள் கதைகளை பதிவு செய்யலாம் மற்றும் செக்ஸ் சந்தேகம் சம்பந்தமான செய்திகளும் படிக்கலாம்

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire